



## लघुकथा : राइज ऑफ पिंक

-दलीप कुमार

दो कथा संग्रह, एक उपन्यास प्रकाशित, रेडियो, टीवी, सिनेमा हेतु भी लेखन। फ़िलहाल स्वंत्रत लेखन और सरकारी सेवा।

<https://sahityacinemasetu.com/kahani-rise-of-pink/>

“कल का फीचर किस पर रहेगा मैम” नुसरत ने योगिता जी से पूछा ?

“कल का फीचर औरतों के गहरे सांवले रंग यानी डार्क काम्प्लेक्सन पर रहेगा” ये कहकर वो फेयरनेस क्रीम अपने चेहरे और गर्दन पर मलने लगी। कपड़ों के अलावा गर्दन, चेहरा जब उसका दमकने लगा, तब उसने मोबाइल के कैमरे के फ्रेम में पहले खुद को फिर नुसरत को साथ लेकर देखा। उनके चेहरे पर कई भाव आये आये और गए। उनके चेहरे के भावों को नुसरत पढ़ने की कोशिश करती रही मगर उसे कुछ समझ न आया।

नुसरत की शंका से बेफिक्र अचानक उन्होंने एक सेल्फी ली और फिर तसल्लीबख्श सांस लेते हुए बोली – “तुम्हारे जितनी गोरी न सही लेकिन दमक तो तुम्हारे जैसी आ ही गयी, है ना नुसरत” ये कहते हुए उसने नुसरत की तरफ देखा।

“जी मैम, आप तो यँ ही समाज में एक नायिका की तरह देखी जाती हैं। आपका रंग गोरा नहीं है तो क्या ? आप काफी अच्छी दिखती हैं। लोग आपके कॉन्फिडेंस और ग्रैंड पर्सनैलिटी के ही कायल हैं। आपके फीचर्स भी काफी शार्प हैं, और आपकी रंगत भी साफ है” नुसरत ने उन्हें हौसला देते हुए कहा।

“रंगत साफ है ना गोरी नहीं, इस देश के मर्द बड़े खराब हैं। कितनी भी शार्प फीचर की औरत हो, लेकिन गोरी औरत को देखते ही लार टपकाने लगते हैं। अब हम पैदायशी गोरे न सही, लेकिन पैसों के जरिये तो गोरे बन सकते हैं “ ऑफिस के अलमारी के शीशे में खुद को निहारते हुए योगिता जी बोलीं और अपनी बात की हामी पाने के लिये नुसरत की तरफ देखा।

उनकी सवालिया नजरों को देखते हुए नुसरत ने सहमति से सिर हिलाते हुए उनकी बात की तस्दीक की। नुसरत कुछ बोल पाती तब तक योगिता जी ने नुसरत को इशारा किया, नुसरत ने उठ कर केबिन का गेट बंद किया। योगिता जी ने अपनी आलमारी से स्लिम बेल्ट निकाला और सांस अंदर खींच कर पेट पर कसकर उस बेल्ट को नुसरत की मदद से बांध लिया, फिर केबिन में ही लगे दो-तीन बड़े से शीशों के सामने अपनी पेट, पीठ को आगे – पीछे निहारा और फिर नुसरत से पूछा-

“मैं मोटी तो नहीं लग रही हूँ नुसरत, हो गयी न फैट टू फिट “।

“आप मोटी क्यों लगेंगी जब हैं ही नहीं, आप हेल्दी हैं, तो शेष बदलने की जरूरत क्या है “ नुसरत ने हैरानी से पूछा ?

“ मोटी हो ना हो हेल्दी होना भी औरतों के लिये अच्छा नहीं होता। इस देश के मर्द हर औरत को न जाने क्यों दुबली देखना चाहते हैं, उन्हीं के हिसाब से दुबला दिखें तो बेहतर है “ उन्होंने फिर अपनी बात की हामी के लिये नुसरत की तरफ देखा।

नुसरत ने उनकी सवालिया नजरों को देखकर फिर सहमति से सिर हिलाया।



योगिता जी ने अपने जूते उतार दिए और टेबल के पीछे से कहीं हाई हील वाली सैंडिल निकाल ली और नुसरत की तरफ देखकर हंसते हुये बोली- “ नुसरत, पेट में फैट वाला बेल्ट बांध लिया है देख ही रही हो, अब झुका नहीं जाता। तुम ये सैंडिल मुझे ठीक से पहनावा दो, झुक कर एडजस्ट करने में दिक्कत होती है। आओ तो, जल्दी करो “।

नुसरत ने योगिता जी की हाई हील सैंडिल को झुककर दुरुस्त किया। नुसरत ने फिर सहज जिज्ञासा प्रकट की – “आपका कद तो ठीक – ठाक है, शायद पांच फीट तीन इंच। फिर हाई हील की आपको क्या जरूरत है “?

“तू कुछ नहीं समझती नुसरत, अब इस देश मे हाई सोसायटी में औरतों का कद पांच फीट से कम नहीं दिखना चाहिये, सारे मर्द टाल वूमन को ही अटेंशन देते हैं, समझी ना “।

बाईस वर्षीय गोरी, लंबी, छरहरी नुसरत उनका अड़तालीस वर्षीया योगिता जी का लॉजिक नहीं समझ सकी।

सैंडिल पहनने और मेकअप को फाइनल टच -अप देने के बाद योगिता जी ने इशारे से उसे अपने पास बुलाया, नुसरत ने समझा योगिता जी उसे कुछ समझाना चाहती हैं। वो उनके पास जाकर खड़ी हो गयी। आफिस के आदमकद शीशों में योगिता जी ने नुसरत को अपने बगल खड़ा करके ऊपर से नीचे तक अपनी पिंक कलर की ड्रेस में खुद को देखा, उससे तुलना की खुद की, संतुष्ट होने पर उन्होंने मोबाइल से अपने अकेले की दुबारा एक सेल्फी ली।

नुसरत अब समझ गयी कि योगिता जी ने उसे अपने पास बुलाकर शीशे में क्या देखा था। योगिता जी पूछा – “ फीचर तो कल बाद में आएगा पहले ये बताओ कि आज के सेमिनार की थीम क्या है, फिर से रिमाइंड कराओ“

“जी “राइज ऑफ पिंक “ आज की थीम है। आज आपको स्त्रियों के सांवलेपन, छोटे कद और मोटी होने पर उनको जो परेशानी सामने आती है, उन रूढ़ियों और मान्यताओं के खिलाफ बोलना है “ नुसरत ने उनके चेहरे को पढ़ते हुए कहा।

“हां, इस देश के मर्द ऐसे ही हैं, औरतों को लेकर ..... ऐसा कुछ बड़बड़ाते हुए वो केबिन से बाहर चली गयीं।

योगिता जी एकअखबार में सीनियर पद पर कार्यरत थीं और स्त्री सशक्तिकरण संबंधित उनके लेखों ने उन्हें काफी ख्याति दिलायी थी। नुसरत उनकी इंटरन थी, जो उनके विचारों से प्रभावित होकर उनसे काम सीखने आयी थी और उनके जैसा बनना चाहती थी। लेकिन उनका ये रूप देखकर उसके माथे पर बल पड़ गए थे।